PAREEKSHA BAAZ
Institute for CSE Examination

PRELIM POINTERS

20th NOV 2024

For more exam related videos and guidance, scan the code to join our YouTube Channel

For more exam related material, scan the code to join our Telegram Channel

Scan the code to join our Instagram Channel

INDEX	
SN.	TOPIC
1	एक दिन एक जीनोम पहल
2	क्लस्टर युद्ध सामग्री क्या है?
3	सूडान के बारे में मुख्य तथ्य
4	जीसैट-एन2 (जीसैट-20) क्या है?
5	शिकायत निवारण मूल्यांकन सूचकांक
6	थाई सैकब्रूड वायरस
7	गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व
8	जीनस कोइमा
9	पूर्वी समुद्री गलियारा (ईएमसी)
10	माओरी कौन हैं?

एक दिन एक जीनोम पहल

अवलोकन:

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) और जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं नवाचार परिषद (ब्रिक) ने भारत की विशाल सूक्ष्मजीव क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए 'वन डे वन जीनोम' पहल की शुरुआत की है।

वन डे वन जीनोम पहल के बारे में:

- **यह हमारे देश में पाई जाने वाली विशिष्ट जीवाणु प्रजातियों** पर प्रकाश डालेगा तथा पर्यावरण, कृषि और मानव स्वास्थ्य में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देगा।
- इस पहल का समन्वयन **जैवप्रौद्योगिकी अनुसंधान एवं नवाचार परिषद-राष्ट्रीय जैवचिकित्सा जीनोमिक्स संस्थान (ब्रिक-एनआईबीएमजी) द्वारा** किया जाता है , जो जैवप्रौद्योगिकी विभाग का एक संस्थान है।
- इस पहल का उद्देश्य देश में पृथक किये गए पूर्णतः **एनोटेट जीवाणु जीनोम को** जनता के लिए स्वतंत्र रूप से उपलब्ध कराना है।
- इसे विस्तृत ग्राफिकल सारांश, इन्फोग्राफिक्स और जीनोम असेंबली/एनोटेशन विवरण के साथ पूरक किया जाएगा।
- ये दस्तावेज इन सूक्ष्मजीवों के वैज्ञानिक और औद्योगिक उपयोग के बारे में जानकारी देंगे।
- परिणामस्वरूप, माइक्रोबियल जीनोमिक्स डेटा आम जनता, वैज्ञानिक शोधकर्ताओं के लिए अधिक सुलभ हो जाएगा और इस प्रकार चर्चाओं को बढ़ावा मिलेगा; नवाचारों से पूरे समुदाय और पारिस्थितिकी तंत्र को सीधे लाभ होगा।

सूक्ष्मजीवों की भूमिका

- **सूक्ष्मजीव हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। वे सभी जैव-रासायनिक चक्रों** , मृदा निर्माण, खनिज शोधन, जैविक अपशिष्टों के अपघटन और मीथेन उत्पादन के साथ-साथ विषैले प्रदूषकों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ।
- कुल मिलाकर वे **हमारे ग्रह में होमियोस्टैसिस को बनाए रखने में मदद करते हैं।**
- कृषि में, वे पोषक चक्रण, नाइट्रोजन स्थिरीकरण, मृदा उर्वरता बनाए रखने, कीटों और खरपतवारों को नियंत्रित करने तथा तनाव प्रतिक्रियाओं में मदद करते हैं।

- सूक्ष्मजीव **पौधों के साथ सहजीवी रूप से जुड़े रहते** हैं तथा पोषक तत्वों और जल को ग्रहण करने में उनकी सहायता करते हैं।
- मानव शरीर में जितनी मानव कोशिकाएँ होती हैं, उससे कहीं ज़्यादा सूक्ष्मजीव कोशिकाएँ होती हैं। वे हमारे पाचन, प्रतिरक्षा और यहाँ तक कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी ज़रूरी हैं।
- सभी संक्रामक रोग मुख्य रूप से रोगजनक सूक्ष्मजीवों के कारण होते हैं। दूसरी ओर, गैर-रोगजनक सूक्ष्मजीव संक्रामक रोगों के खिलाफ हमारी रक्षा के लिए अपरिहार्य हैं।

प्रश्न 1: होमियोस्टेसिस क्या है?

होमियोस्टेसिस किसी भी स्वचालित प्रक्रिया को संदर्भित करता है जिसका उपयोग एक जीवित प्राणी अपने शरीर को अंदर से स्थिर रखने के लिए करता है, जबकि शरीर के बाहर या उसके वातावरण में स्थितियों के साथ समायोजन करना जारी रखता है।

क्लस्टर युद्ध सामग्री क्या है?

अवलोकन:

हाल ही में, क्लस्टर हथियारों से लैस एक रूसी बैलिस्टिक मिसाइल ने उत्तरी यूक्रेन के सुमी में एक आवासीय क्षेत्र पर हमला किया, जिसमें दो बच्चों सहित 11 लोगों की मौत हो गई तथा 84 अन्य घायल हो गए।

क्लस्टर युद्ध सामग्री के बारे में:

- क्लस्टर युद्ध सामग्री **या क्लस्टर बम,** ऐसे हथियार हैं जो, जैसा कि नाम से पता चलता है, लक्ष्य पर **छोटे विस्फोटक उप-युद्ध सामग्री के समूहों को गिराते हैं।**
- मॉडल के आधार पर, **उप-युद्धक हथियारों की संख्या कई से लेकर 600 से अधिक तक हो सकती है।**
- क्लस्टर हथियारों को विमान, तोपखाने और मिसाइलों द्वारा पहुंचाया जा सकता है।
- ज़्यादातर सबमशीनरी को टक्कर लगने पर विस्फोट करने के लिए बनाया गया है। **ज़्यादातर हथियार स्वतंत्र रूप से गिरते हैं** , जिसका मतलब है कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से किसी लक्ष्य की ओर निर्देशित नहीं किया जाता है।
- हालांकि, **कई उप-युद्धक हथियार प्रारंभिक प्रभाव में विस्फोट करने में विफल हो जाते हैं** , जिससे **अवशेष बारूदी सुरंगों की तरह** काम करते हैं , तथा वर्षों और यहां तक कि दशकों तक नागरिकों के लिए खतरा बने रहते हैं।
- इन्हें **द्वितीय विश्व युद्ध में विकसित किया गया** था और ये कई सरकारों के हथियार भंडार का हिस्सा हैं।
- उनका मुख्य **उद्देश्य एक विस्तृत क्षेत्र में फैले अनेक सैन्य लक्ष्यों,** जैसे टैंक या पैदल सेना की संरचनाओं को नष्ट करना तथा लड़ाकों को मारना या घायल करना था ।
- **क्लस्टर युद्ध सामग्री पर कन्वेंशन (सीसीएम) किसी भी परिस्थिति में क्लस्टर युद्ध सामग्री के उपयोग, विकास, उत्पादन, अधिग्रहण, भंडारण और हस्तांतरण पर प्रतिबंध लगाता है** , **साथ** ही निषिद्ध गतिविधियों में संलग्न होने के लिए किसी को सहायता या प्रोत्साहन देने पर भी प्रतिबंध लगाता है।
    - **120 से ज़्यादा देश** इस कन्वेंशन में शामिल हो चुके हैं। **उल्लेखनीय अपवादों में संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, यूक्रेन, इज़राइल, भारत और चीन** शामिल हैं ।

प्रश्न 1 : बैलिस्टिक मिसाइलें क्या हैं?

बैलिस्टिक मिसाइल एक रॉकेट-चालित, स्व-निर्देशित रणनीतिक-हथियार प्रणाली है जो अपने प्रक्षेपण स्थल से एक पूर्व निर्धारित लक्ष्य तक पेलोड पहुंचाने के लिए बैलिस्टिक प्रक्षेप पथ का अनुसरण करती है। वे शुरू में चरणों में एक रॉकेट या रॉकेटों की श्रृंखला द्वारा संचालित होते हैं, लेकिन फिर एक असंचालित प्रक्षेप पथ का अनुसरण करते हैं जो अपने इच्छित लक्ष्य तक पहुँचने से पहले नीचे की ओर ऊपर की ओर झुकता है। वे पारंपरिक उच्च विस्फोटकों के साथ-साथ रासायनिक, जैविक या परमाणु हथियार भी ले जा सकते हैं।

सूडान के बारे में मुख्य तथ्य

अवलोकन:

ब्रिटेन और अमेरिका द्वारा कड़ी निंदा किए जाने के बाद रूस ने सूडान में युद्ध विराम के लिए ब्रिटेन समर्थित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के मसौदे पर वीटो लगा दिया है।

सूडान के बारे में:

- **यह उत्तरपूर्वी अफ्रीका** में स्थित एक देश है ।
- **सीमावर्ती देश** : **दक्षिण सूडान, इथियोपिया, इरिट्रिया, मिस्र, लीबिया, चाड** और **मध्य अफ्रीकी गणराज्य** ।
- इसकी **सीमा** उत्तर में सहारा से लगती है तथा दक्षिण **में यह पश्चिम अफ्रीका के जंगलों** और कांगो **नदी बेसिन तक फैली हुई है ।**
- **सूडान की लाल सागर के किनारे** एक महत्वपूर्ण तटरेखा भी है ।
    - पानी की यह संकरी पट्टी स्वेज **नहर के माध्यम से हिंद महासागर के** साथ-साथ **भूमध्य सागर तक महत्वपूर्ण पहुंच प्रदान करती है।**
- **राजधानी** : सूडान की राजधानी **खार्तूम** , देश के मध्य में, **ब्लू नील और व्हाइट नील नदियों के संगम** पर स्थित है ।
- **मुद्रा: सूडानी पाउंड** (SDG)
- **औपनिवेशिक शासन:**
    - **19वीं सदी** के आरंभ में **मिस्र के कब्जे** के बाद , 1899 में एक समझौते के तहत सूडान में एक **संयुक्त ब्रिटिश-मिस्र सरकार की** स्थापना की गयी , लेकिन यह प्रभावी रूप से एक ब्रिटिश उपनिवेश था।
    - **1956 में सूडान को एंग्लो-मिस्र सह-शासन से स्वतंत्रता** मिलने के बाद से इस्लाम-उन्मुख सरकारों का समर्थन करने वाली **सैन्य शासन व्यवस्थाएं राष्ट्रीय राजनीति पर हावी रही हैं।**
- एक शताब्दी से भी अधिक समय तक, **सूडान** - पहले एक औपनिवेशिक राज्य के रूप में, फिर एक स्वतंत्र देश के रूप में - **में उसका पड़ोसी दक्षिण सूडान भी शामिल था** , जो कई उप-सहारा अफ्रीकी जातीय समूहों का निवास स्थान था।
- **2011 में दक्षिण के अलग होने** से **पहले** , **सूडान सबसे बड़ा अफ्रीकी देश था** , जिसका क्षेत्रफल अफ्रीकी महाद्वीप के 8 प्रतिशत से अधिक और दुनिया के कुल भूमि क्षेत्र का लगभग 2 प्रतिशत था।

- सूडान का अधिकांश भाग **रेगिस्तान और शुष्क घास के मैदानों** से बना है , जहाँ वनस्पति बहुत कम है। **देश के अधिकांश भाग में विशाल मैदान और पठार हैं** ।

वर्तमान संकट:

- अप्रैल 2023 में नागरिक शासन के लिए नियोजित संक्रमण से पहले सूडानी **सेना और** अर्धसैनिक **रैपिड सपोर्ट फोर्सेज** के बीच सत्ता **संघर्ष** छिड़ गया, जिसमें हजारों लोग मारे गए और **दुनिया का सबसे बड़ा विस्थापन संकट पैदा हो गया** ।
- **एक तिहाई आबादी को गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा** है , तथा अनुमान है कि यह संख्या बढ़कर 40 प्रतिशत हो जाएगी।

प्रश्न 1 : संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) क्या है?

यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के पाँच प्रमुख संगठनों में से एक है। अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखने की प्राथमिक जिम्मेदारी इसकी है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के तहत, सभी सदस्य देशों को यूएनएससी के निर्णयों का पालन करना अनिवार्य है। सुरक्षा परिषद शांति के लिए किसी खतरे या आक्रामकता के कार्य के अस्तित्व को निर्धारित करने में अग्रणी भूमिका निभाती है। यह विवाद के पक्षों से इसे शांतिपूर्ण तरीकों से निपटाने का आह्वान करती है और समायोजन के तरीकों या निपटान की शर्तों की सिफारिश करती है। कुछ मामलों में, सुरक्षा परिषद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखने या बहाल करने के लिए प्रतिबंध लगाने या बल प्रयोग को अधिकृत करने का सहारा ले सकती है।

जीसैट-एन2 (जीसैट-20) क्या है?

अवलोकन:

भारत के जीसैट-एन2 (जीसैट-20) संचार उपग्रह को हाल ही में स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट द्वारा सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया।

जीसैट-एन2 (जीसैट-20) के बारे में:

- यह **भारत का उन्नत संचार उपग्रह** है ।
- इसे अंतरिक्ष विभाग के अंतर्गत **इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) द्वारा विकसित किया गया था।**
- इसे **स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट के माध्यम से भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा** में प्रक्षेपित किया गया।
- इसे **दूरदराज के क्षेत्रों में डेटा और इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने** तथा भारतीय उपमहाद्वीप में उड़ान के दौरान इंटरनेट कनेक्टिविटी सक्षम करने के **लिए डिज़ाइन किया गया है।**
- यह विशेष रूप से भारत के स्मार्ट सिटी मिशन के लिए महत्वपूर्ण डेटा ट्रांसमिशन क्षमता प्रदान करेगा।
- **विशेषताएँ:**
    - **यह का-बैंड** में संचालित होने वाला एक उच्च- **थ्रूपुट संचार उपग्रह है।**
    - यह उपग्रह **अनेक स्पॉट बीमों** से सुसज्जित है तथा इसे छोटे उपयोगकर्ता टर्मिनलों का उपयोग करते हुए **बड़े उपयोगकर्ता आधार को समर्थन प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।**
    - जीसैट-एन2 में **32 यूजर बीम** हैं - पूर्वोत्तर क्षेत्र पर 8 नैरो स्पॉट बीम और शेष भारत को कवर करने वाली 24 वाइड स्पॉट बीम।
    - इन बीमों को **भारत की मुख्य भूमि पर स्थित हब स्टेशनों द्वारा समर्थित किया** जाएगा ।
    - उपग्रह का का-बैंड उच्च-थ्रूपुट संचार पेलोड **लगभग 48 जीबीपीएस का थ्रूपुट प्रदान करता है।**
    - जीसैट-एन2 उपग्रह का भार **4,700 किलोग्राम है तथा इसका मिशन जीवन 14 वर्ष** है ।

- यह **भारत का सर्वाधिक क्षमता वाला उपग्रह** है तथा अत्यधिक मांग वाले **का-बैंड में विशेष रूप से प्रचालन करने वाला एकमात्र उपग्रह है ।**

फाल्कन-9 रॉकेट को क्यों चुना गया?

- जबकि **इसरो का मार्क-3** प्रक्षेपण यान **4,000 किलोग्राम तक के वजन को** भूस्थिर स्थानांतरण कक्षा में स्थापित कर सकता है, **जीसैट-एन2 के 4,700 किलोग्राम वजन के लिए** एक अलग समाधान की आवश्यकता थी।
- परिणामस्वरूप, इसरो ने मिशन के लिए **स्पेसएक्स के प्रक्षेपण यान का सहारा लिया , जो स्पेसएक्स के साथ इसरो का पहला वाणिज्यिक सहयोग था ।**

प्रश्न 1 : जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) क्या है?

जीटीओ एक अत्यधिक अण्डाकार कक्षा है जिसका उपयोग अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की निचली कक्षा (LEO) से भू-समकालिक कक्षा (GEO) में स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है। GEO पृथ्वी के चारों ओर एक गोलाकार कक्षा है जहाँ उपग्रह पृथ्वी की घूर्णन अवधि से मेल खाता है, जिससे यह जमीन के सापेक्ष स्थिर दिखाई देता है।

शिकायत निवारण मूल्यांकन सूचकांक

अवलोकन:

हाल ही में केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने शिकायत निवारण मूल्यांकन और सूचकांक (जीआरएआई) 2023 लॉन्च किया है।

शिकायत निवारण मूल्यांकन और सूचकांक के बारे में:

- कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय की संसदीय स्थायी समिति की सिफारिश के आधार पर **भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग** द्वारा इसकी संकल्पना और डिजाइन तैयार किया गया था ।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य संगठन-वार तुलनात्मक चित्र प्रस्तुत करना तथा शिकायत निवारण तंत्र के संबंध में शक्तियों और सुधार के क्षेत्रों के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान करना है।
- GRAI 2022 का पहला **संस्करण** 21 जून 2023 को जारी किया गया था।
- 89 केन्द्रीय मंत्रालयों और विभागों का मूल्यांकन किया गया और उन्हें (1) दक्षता, (2) फीडबैक, (3) डोमेन और (4) संगठनात्मक प्रतिबद्धता तथा संबंधित 11 संकेतकों के आयामों में एक व्यापक सूचकांक के आधार पर रैंकिंग दी गई।
- सूचकांक की गणना के लिए, जनवरी और दिसंबर 2023 के बीच के आंकड़ों का उपयोग **केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और प्रबंधन प्रणाली** (CPGRAMS) से किया गया था।
- भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के कार्यालय, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग तथा निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग ने क्रमशः ग्रुप ए, बी और सी में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।
- यह रिपोर्ट प्रत्येक मंत्रालय और विभाग की शिकायतों के प्रभावी निवारण के मूल कारणों का एक **द्वि-आयामी** (ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज) **विश्लेषण प्रस्तुत करती है, जिसे आसानी से पहचाना जा सकता है।**
- रिपोर्ट में उन तकनीकी साझेदारों का संक्षिप्त विवरण भी प्रस्तुत किया गया है, जिन्हें डीएआरपीजी ने मंत्रालयों और विभागों को प्रभावी शिकायत निवारण माध्यम के रूप में सीपीजीआरएएमएस का इष्टतम उपयोग करने में सुविधा प्रदान करने के लिए नियुक्त किया है।
- **यह रिपोर्ट मंत्रालयों और विभागों के लिए** शिकायत निवारण बढ़ाने के लिए सीपीजीआरएएमएस और इसकी विशेषताओं जैसे आईजीएमएस 2.0, ट्रीडैशबोर्ड आदि का लाभ उठाने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप और सलाह प्रस्तुत करती है ।

- सुधार के लिए रोडमैप में **डेटा विश्लेषण** , पूर्वानुमानात्मक विश्लेषण और निवारक उपायों के लिए एआई और एमएल जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने पर जोर दिया गया है, जबकि बेहतर रिपोर्टिंग के लिए एटीआर प्रारूपों को संशोधित किया गया है।
- जीआरओ के लिए क्षमता निर्माण, लेखापरीक्षा के माध्यम से जवाबदेही बढ़ाना और सीपीजीआरएएमएस एकीकरण को सरकार के तीसरे स्तर तक विस्तारित करना प्रमुख सिफारिशें हैं।

प्रश्न 1: केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) क्या है?

यह नागरिकों के लिए 24x7 उपलब्ध एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जिस पर वे सेवा वितरण से संबंधित किसी भी विषय पर सार्वजनिक प्राधिकरणों के समक्ष अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। यह भारत सरकार और राज्यों के सभी मंत्रालयों/विभागों से जुड़ा एक एकल पोर्टल है।

थाई सैकब्रूड वायरस

अवलोकन:

अनुसंधान से प्रबंधित मधुमक्खियों और जंगली परागणकों के बीच रोगाणुओं के संचरण का पता चला है, इस प्रक्रिया को रोगाणु स्पिलओवर और स्पिलबैक कहा जाता है।

थाई सैकब्रूड वायरस के बारे में:

- थाई सैकब्रूड वायरस **एशियाई मधुमक्खी** के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक है ।
- पश्चिमी मधुमक्खियों पर हमला करने वाला विशेष विषाणु कम विषैला होता है।
- वायरस के संक्रमण से होने वाली बीमारी **मधुमक्खियों के लार्वा को मार देती है** । पश्चिमी मधुमक्खियों पर हमला करने वाला विशेष वायरल स्ट्रेन कम विषैला होता है।
- **भौगोलिक प्रसार: 1991-1992 में, थाई सैकब्रूड वायरस के प्रकोप ने दक्षिण भारत** में एशियाई मधुमक्खी कालोनियों के लगभग 90% को तबाह कर दिया और 2021 में तेलंगाना में फिर से उभरा। **चीन और वियतनाम** सहित दुनिया के अन्य हिस्सों से भी इस वायरस के फैलने की सूचना मिली है ।

भारतीय मधुमक्खियों के बारे में मुख्य तथ्य

- भारत में 700 से ज़्यादा मधुमक्खी प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें चार देशी मधुमक्खियाँ शामिल हैं: **एशियाई मधुमक्खी** (एपिस सेराना इंडिका), **विशाल चट्टानी मधुमक्खी** (एपिस डोरसाटा), **बौनी मधुमक्खी** (एपिस फ्लोरिया) और **डंक रहित मधुमक्खी** (प्रजाति ट्रिगोना)। देश में शहद की पैदावार बढ़ाने के लिए 1983 में पश्चिमी मधुमक्खियाँ भारत में लाई गईं।

क्या आप जानते हैं?

- **रोगजनक स्पिलओवर:** एक ऐसी घटना जिसमें एक प्रजाति-विशिष्ट रोगजनक एक नए अतिसंवेदनशील मेज़बान में संक्रमण स्थापित करता है। **उदाहरण:** चमगादड़ से सूअरों में निपाह वायरस का संक्रमण ।
- **पैथोजन स्पिलबैक:** स्पिलओवर का एक विशिष्ट उदाहरण जो तब होता है जब एक पैथोजन एक नए होस्ट से वापस मूल होस्ट में संचारित होता है। **उदाहरण:** मनुष्यों से जंगली पकड़े गए चमगादड़ों में SARS-CoV-2 का संचरण।

प्रश्न 1: परागण क्या है?

यह एक फूल के नर परागकोष से मादा वर्तिकाग्र तक पराग कणों को स्थानांतरित करने की क्रिया है। पौधों सहित हर जीवित जीव का लक्ष्य अगली पीढ़ी के लिए संतान पैदा करना है।

गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व

अवलोकन:

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने राष्ट्र को छत्तीसगढ़ के गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व को देश के 56वें टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित किए जाने की जानकारी दी।

गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के बारे में:

- **यह छत्तीसगढ़ राज्य** के उत्तरी भाग में स्थित है , जो मध्य प्रदेश और झारखंड की सीमा से लगा हुआ है।
- यह आंध्र प्रदेश में **नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर** रिजर्व और असम में मानस टाइगर रिजर्व के बाद देश का **तीसरा सबसे बड़ा बाघ रिजर्व है।**
- यह बाघ अभयारण्य **पश्चिम** में मध्य प्रदेश के **बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य** और पूर्व में झारखंड के **पलामू बाघ अभयारण्य से जुड़ा हुआ है।**
- यह **छोटा नागपुर पठार** और आंशिक रूप से **बघेलखंड पठार में बसा हुआ है।**
- यह मध्य प्रदेश के संजय दुबरी टाइगर रिजर्व से सटा हुआ है।
- **नदियाँ: यह हसदेव गोपद और बारंगा** जैसी महत्वपूर्ण नदियों का उद्गम स्थल है तथा नेउर, बीजाधुर, बनास, रेहंद और कई छोटी नदियों और नालों का जलग्रहण क्षेत्र है।
- **भू-भाग:** यह विविध भू-भागों, घने जंगलों, नदियों और झरनों से समृद्ध है, जो समृद्ध जीव-जंतुओं की विविधता के लिए अनुकूल हैं और इसमें बाघों के लिए महत्वपूर्ण आवास मौजूद हैं।
- **जीव- जंतु:** भारतीय प्राणी सर्वेक्षण द्वारा यहां 365 अकशेरुकी और 388 कशेरुकी सहित कुल 753 प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया गया है।
- **छत्तीसगढ़ में अन्य बाघ अभयारण्य:** उदंती-सीतानदी, अचानकमार और इंद्रावती रिजर्व।

प्रश्न 1: राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) क्या है?

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय है, जिसका गठन वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत किया गया है, जिसे 2006 में संशोधित किया गया था, ताकि उक्त अधिनियम के तहत इसे सौंपी गई शक्तियों और कार्यों के अनुसार बाघ संरक्षण को मजबूत किया जा सके।

जीनस कोइमा

अवलोकन:

शोधकर्ताओं की एक टीम ने कोइमा नामक मीठे पानी की मछली की एक नई प्रजाति की खोज की है, जो पश्चिमी घाट में स्थानिक है।

जीनस कोइमा के बारे में:

- सामान्य नाम कोइमा **मलयालम से लिया गया** है और यह लोचेस के लिए प्रयुक्त होने वाला स्थानीय शब्द है।
- इसमें दो ज्ञात प्रजातियां शामिल हैं जिन्हें पहले नेमाचेइलस वंश के अंतर्गत रखा गया था।
- **कोइमा वंश की विशेषताएं**
    - इसका रंग पैटर्न अद्वितीय है, जिसमें **पीले-भूरे रंग का आधार रंग** , पार्श्व रेखा पर काले धब्बों की एक पंक्ति, सभी पंख पारदर्शी होते हैं, तथा पृष्ठीय भाग पर एक समान बैंडिंग पैटर्न का अभाव होता है।
- **पर्यावास:** पश्चिमी घाट में कुंथी, भवानी, मोयार, काबिनी और पम्बर नदियाँ।

प्रजाति जीनस कोइमा से संबंधित है

- **कोइमा रेमादेवी**
    - यह आमतौर पर **तेज गति से बहने वाली तटवर्ती धाराओं में निवास करता है,** जिसमें चट्टानें, पत्थर और बजरी शामिल होती हैं, तथा रेत और गाद के पैच पूरे क्षेत्र में बिखरे होते हैं।
    - कोइमा रेमादेवी तेज बहने वाली धाराओं में चट्टानी सतह पर पनपती है। ये मछलियाँ चट्टानों के बीच की दरारों और पत्थरों के नीचे शरण लेती हैं, और तेज़ धाराओं से सुरक्षा पाती हैं।
    - वर्तमान में यह केवल **साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान** के अंदर **कुंती नदी में स्थित अपने प्रकार के स्थान से ही जाना जाता है।**
- **कोइमा मोनिलिस** : यह कावेरी नदी की विभिन्न सहायक नदियों में निवास करता है **, तथा** 350 से 800 मीटर की ऊंचाई पर बड़ी नदियों से लेकर छोटी, तेज बहने वाली धाराओं तक के सूक्ष्म आवासों में निवास करता है।

प्रश्न 1: माइक्रोहैबिटेट क्या है?

यह एक छोटे पैमाने के पर्यावरण को संदर्भित करता है जो पेड़ के खोखले क्षेत्रों से लेकर बड़े क्षेत्रों तक एक विशिष्ट वनस्पति और जीव-जंतु को सहारा देता है, और इसका चयन लक्ष्य प्रजातियों की विशिष्ट जरूरतों और तापीय आवश्यकताओं के आधार पर किया जाता है।

पूर्वी समुद्री गलियारा (ईएमसी)

अवलोकन:

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री ने हाल ही में कहा कि चेन्नई-व्लादिवोस्तोक पूर्वी समुद्री गलियारा चालू हो गया है और इसके माध्यम से तेल, खाद्यान्न और मशीनें पहुंचाई जा रही हैं।

पूर्वी समुद्री गलियारे (ईएमसी) के बारे में:

- चेन्नई **-व्लादिवोस्तोक समुद्री मार्ग** , जिसे ईएमसी के नाम से भी जाना जाता है, **रूस के पूर्वी तट को दक्षिण भारत से जोड़ेगा।**
- ईएमसी से भारत और रूस के सुदूर पूर्व के बीच माल परिवहन के समय **में 16 दिन तक की कमी** आएगी **तथा** दूरी **में 40% तक की कमी आएगी,** जिससे परिवहन में पर्याप्त दक्षता लाभ होने का वादा किया गया है।
    - **वर्तमान में , पश्चिमी समुद्री मार्ग और स्वेज नहरों के माध्यम से मुंबई से सेंट पीटर्सबर्ग** , रूस तक का मार्ग 8,675 समुद्री मील या 16,066 किमी तक फैला हुआ है।
    - वर्तमान में भारत से एक बड़े कंटेनर जहाज को यूरोप के रास्ते **रूस के सुदूर पूर्व क्षेत्र तक पहुंचने में लगभग 40 दिन लगते हैं ।**
    - इसके विपरीत, ईएमसी के माध्यम से **चेन्नई से व्लादिवोस्तोक की दूरी काफी कम है, जो केवल 5,647 समुद्री मील** या 10,458 किमी है।
    - इससे **दूरी में 5,608 किमी की पर्याप्त बचत होगी** , रसद लागत में महत्वपूर्ण कमी आएगी तथा रूस, भारत और एशिया के बीच माल परिवहन की दक्षता बढ़ेगी।
- मार्ग में, ईएमसी **जापान सागर** , पूर्वी **चीन सागर,** दक्षिण **चीन सागर** , **मलक्का जलडमरूमध्य,** अंडमान सागर और बंगाल की खाड़ी **से होकर गुज़रता है ।**
- यदि आवश्यक हो तो इस मार्ग में डालियान, **शंघाई** , **हांगकांग** , हो ची मिन्ह सिटी, **सिंगापुर** , **कुआलालंपुर, बैंकॉक, ढाका, कोलंबो** और चेन्नई जैसे **बंदरगाह विकल्प भी शामिल हैं।**

प्रश्न 1 : स्वेज नहर क्या है?

स्वेज नहर मिस्र के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित है, जो स्वेज के इस्तमुस के पार फैली हुई है। यह नहर भूमध्य सागर पर स्थित पोर्ट सईद को लाल सागर पर स्थित मिस्र के शहर स्वेज के माध्यम से हिंद महासागर से जोड़ती है। यह नहर अफ्रीकी महाद्वीप को सिनाई प्रायद्वीप से अलग करती है। यह एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्ग के रूप में कार्य करता है, जिससे जहाज अफ्रीकी महाद्वीप की परिक्रमा किए बिना यूरोप और एशिया के बीच नेविगेट कर सकते हैं।

PAREEKSHA BAAZ
SAFALTA KE KHILADI

माओरी कौन हैं?

अवलोकन:

न्यूजीलैंड की संसद को स्वदेशी माओरी समूह के विधायकों द्वारा एक विवादास्पद विधेयक के खिलाफ "हाका" या औपचारिक नृत्य का प्रदर्शन करने के बाद कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया गया।

माओरी के बारे में:

- माओरी जनजाति एक **स्वदेशी जनजाति** है जो सदियों से **न्यूजीलैंड में निवास कर रही है।**
- माओरी मूल **रूप से न्यूज़ीलैंड के उत्तरी द्वीप के उत्तरी भागों में** बसे थे । दक्षिणी द्वीप में उनकी आबादी बहुत कम थी।
- **सांस्कृतिक रूप से** , वे **पोलिनेशियाई** हैं , जो पूर्वी पोलिनेशियाई लोगों से सबसे अधिक निकट से संबंधित हैं।
- माओरी संस्कृति ने सदियों तक यातना और संघर्ष सहा है, पहले 'राजा' के हाथों, और बाद में उन अन्य लोगों के हाथों, जो उनकी भूमि पर अपना स्थान बनाना चाहते थे।
- **भाषा** : माओरी को **ऑस्ट्रोनेशियन भाषाओं की पूर्वी महासागरीय शाखा के पोलिनेशियाई समूह** के भाग के रूप में वर्गीकृत किया गया है ।
    - लगभग **एक तिहाई** माओरी लोग अभी भी अपनी पैतृक भाषा **बोलते हैं , तथा अधिकांश लोग अंग्रेजी भी धाराप्रवाह बोलते हैं।**
- 2013 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, देश में **598,605 माओरी थे, जो कुल जनसंख्या का 14.9 प्रतिशत** था ।
- उनकी **विशिष्ट वेशभूषा** उनकी विरासत की दृश्य अभिव्यक्ति के रूप में कार्य करती है, जो भूमि और पूर्वजों की आत्माओं के साथ उनके गहरे संबंध को प्रतिबिंबित करती है।
- माओरी संस्कृति का सबसे **प्रसिद्ध पहलू हाका** है , जो एक **शक्तिशाली युद्ध नृत्य है** जो अपनी तीव्रता, चेहरे के भाव और लय के लिए जाना जाता है।
- माओरी लोगों की एक और **प्रमुख पहचान उनके टैटू हैं,** जो उनके चेहरे पर देखे जा सकते हैं।
    - इन टैटूओं को **'ता मोको' कहा जाता** है जो एक **पारंपरिक माओरी कला रूप** है , जो अत्यंत प्रतीकात्मक और सम्मानित है।
    - ता **मोको डिज़ाइन प्रत्येक व्यक्ति के लिए अद्वितीय होते हैं** और उनकी सामाजिक स्थिति, उनकी वंशावली, समाज के लिए उन्होंने क्या किया है, आदि का चित्रण करते हैं।

प्रश्न 1 : पोलिनेशिया क्या है?

पोलिनेशिया - ग्रीक शब्द "कई द्वीपों" से - प्रशांत महासागर के एक विस्तृत क्षेत्र में फैले 1,000 से अधिक द्वीपों का एक संग्रह है जिसे पोलिनेशियाई त्रिभुज के रूप में जाना जाता है। उत्तर में हवाई, दक्षिण-पूर्व में ईस्टर द्वीप और दक्षिण-पश्चिम में न्यूज़ीलैंड से घिरा (और इसमें शामिल) विशाल पोलिनेशियाई त्रिभुज उत्तर और दक्षिण अमेरिका के संयुक्त क्षेत्र के बराबर क्षेत्र को कवर करता है।